भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 893

29 नवम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान

893. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टीः

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आंध्र प्रदेश राज्य में जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम के कार्यान्वयन की स्थिति क्या है तथा इसकी प्रमुख उपलब्धियां क्या हैं;

(ख) आंध्र प्रदेश में जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम में शामिल संस्थानों या संगठनों का ब्यौरा क्या है तथा आज तक कार्यक्रम के लिए कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) उक्त राज्य में पिछले पांच वर्षों के दौरान कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल जनजातीय आबादी की कुल संख्या तथा नामांकित लाभार्थियों की जिला-वार संख्या कितनी है; और

(घ) क्या सरकार के पास इस कार्यक्रम के अंतर्गत आंध्र प्रदेश से प्रलेखित स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं (एलएचटी) तथा लोककथा दावों की कुल संख्या के आंकड़े हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय अपने स्वायत्त निकाय केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के माध्यम से जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) के तहत जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम (टीएचसीआरपी) को क्रियान्वित कर रहा है। आंध्र प्रदेश में, टीएचसीआरपी को क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), विजयवाड़ा के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत संस्थान लाभार्थियों को निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान करता है:-

(i) आयुर्वेद के माध्यम से लाभार्थियों को उनके क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल।

(ii) रक्त जांच (एचबी ग्राम% और रक्त शर्करा परीक्षण) की सुविधा उनके क्षेत्र में प्रदान की गई है।

(iii) अन्य रक्त जांच सुविधाएं आवश्यकता और उपलब्धता के अनुसार प्रदान की जाती हैं।

(iv) स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और आयुर्वेद आधारित पहल के बारे में जागरूकता व्याख्यान और सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री के वितरण के माध्यम से प्रदान की जाती है।

(ख): आंध्र प्रदेश में सीसीआरएएस का एक परिधीय संस्थान यथा क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), न्यू राजीव नगर, कविथास, पायकापुरम, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, टीएचसीआरपी के क्रियान्वयन में संलग्न है। पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के लिए कार्यक्रम के लिए आवंटित कुल धनराशि का विवरण **संलग्नक** पर दिया गया है।

(ग): आंध्र प्रदेश में कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाली जनजातीय आबादी की कुल संख्या 32750 है और लाभार्थियों की कुल संख्या 26392 है।

(घ): जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम के माध्यम से आंध्र प्रदेश से कुल 51 स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं (एलएचटी) और लोककथाओं के दावों का प्रलेखीकरण किया गया है।

*****

संलग्नक

आरएआरआई, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के लिए कार्यक्रम हेतु आवंटित कुल धनराशि का विवरण इस प्रकार है:

(**लाख रुपये में**)

संस्थान का नाम	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
आरएआरआई, विजयवाड़ा	20.21	41.72	57.89	41.29	45.78	139.54